आर्य विद्या मंदिर बांद्रा पश्चिम
अभ्यास कार्य पत्रिका

विषय - हिंदी

कक्षा : दसवीं
दिनांक :**30-11-21**

पूर्णांक :**40**
समयावधि :**1** घंटा **40** मिनट

निर्देश **-:**

1 - प्रथम **10** मिनट प्रश्न पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
2 - प्रश्न पत्र के दो भाग है। **"**भाग**-** अ**"** तथा **"**भाग **-** ब**" I**
3 - दोनों भागों के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4 - वर्तनी की शुद्धता और स्पष्ट लेखन पर ध्यान दें।

You will not be allowed to write during the first 10 minutes
This time is to be spent in reading the question paper.
Answers to this Mark on "OMR " sheets.
Attempt all questions from Section A and Section B
The intended marks for questions or parts of questions are given in the brackets [ ]. This paper comprises 6 printed pages.

Secession A

हिंदी भाषा :- भाग - 'अ' (20 अंक)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए। गद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए।

"एक राजपुरोहित थे। वे अनेक विधाओं के ज्ञाता होने के कारण राज्य में अत्यधिक प्रतिष्ठित थे। बड़े-बड़े विद्वान उनके प्रति आदरभाव रखते थे पर उन्हें अपने ज्ञान का लेशमात्र भी अहंकार नहीं था। उनका विश्वास था कि ज्ञान और चरित्र का योग ही लौकिक एवं परमार्थिक उन्नति का सच्चा पथ है। प्रजा की तो बात ही क्या स्वयं राजा भी उनका सम्मान करते थे और उनके आने पर उठकर आसन प्रदान करते थे।

एक बार राजपुरोहित के मन में जिज्ञासा हुई कि राजदरबार में उन्हें आदर और सम्मान उनके ज्ञान के कारण मिलता है अथवा चरित्र के कारण? इसी जिज्ञासा के समाधान हेतु उन्होंने एक योजना बनाई। योजना को क्रियान्वित करने के लिए राजपुरोहित राजा का खजाना देखने गए। खजाना देखकर लौटते समय उन्होंने खजाने में से पाँच बहुमूल्य मोती उठाए और उन्हें अपने पास रख लिया। खजांची देखता ही रह गया। राजपुरोहित के मन में धन का लोभ हो सकता है। खजांची ने स्वप्न में भी नहीं सोचा था। उसका वह दिन इसी उधेड़बुन में बीत गया।

दूसरे दिन राज दरबार से लौटते समय राजपुरोहित पुन: खजाने की ओर मुड़े तथा उन्होंने फिर पाँच मोती उठाकर अपने पास रख लिए। अब तो खजांची के मन में राजपुरोहित के प्रति पूर्व में जो श्रद्धा थी वह क्षीण होने लगी।

तीसरे दिन जब पुन: वही घटना घटी तो उसके धैर्य का बाँध टूट गया। उसका संदेह इस विश्वास में बदल गया कि राजपुरोहित की नीयत निश्चित ही खराब हो गई है।

उसने राजा को इस घटना की विस्तृत जानकारी दी। राजा को इस सूचना से बड़ा आघात पहुँचा। उनके मन में राजपुरोहित के प्रति आदरभाव की जो प्रतिमा पहले से प्रतिष्ठित थी वह चूर-चूर होकर बिखर गई।

चौथे दिन जब राजपुरोहित सभा में आए तो राजा पहले की तरह न सिंहासन से उठे और न उन्होंने राजपुरोहित का अभिवादन किया, यहाँ तक कि राजा ने उनकी ओर देखा तक नहीं। राजपुरोहित तत्काल समझ गए कि अब योजना रंग ला रही है। उन्होंने जिस उद्देश्य से मोती उठाए थे, वह उद्देश्य अब पूरा होता नजर आने लगा था।

यही सोचकर राजपुरोहित चुपचाप अपने आसन पर बैठ गए। राजसभा की कार्यवाही पूरी होने के बाद जब अन्य दरबारियों की भाँति राजपुरोहित भी उठकर अपने घर जाने लगे तो राजा ने उन्हें कुछ देर रुकने का आदेश दिया। सभी सभासदों के चले जाने के बाद राजा ने उनसे पूछा - 'सुना है आपने खजाने में कुछ गड़बड़ी की है।'

इस प्रश्न पर जब राजपुरोहित चुप रहे तो राजा का आक्रोश और बढ़ा। इस बार वे कुछ ऊँची आवाज में बोले -'क्या आपने खजाने से कुछ मोती उठाए हैं?' राजपुरोहित ने मोती उठाने की बात को स्वीकार किया।

राजा का अगला प्रश्न था - 'आपने कितने मोती उठाए और कितनी बार?' राजा ने पुन: पूछा - 'वे मोती कहाँ हैं?' राजपुरोहित ने एक पुड़िया जेब से निकाली और राजा के सामने रख दी जिसमें कुल पंद्रह मोती थे। राजा के मन में आक्रोश, दुख और आश्चर्य के भाव एक साथ उभर आए।

राजा बोले - 'राजपुरोहित जी आपने ऐसा गलत काम क्यों किया? क्या आपको अपने पद की गरिमा का लेशमात्र भी ध्यान नहीं रहा। ऐसा करते समय क्या आपको लज्जा नहीं आई? आपने ऐसा करके अपने जीवनभर की प्रतिष्ठा खो दी। आप कुछ तो बोलिए, आपने ऐसा क्यों किया?

राजा की अकुलाहट और उत्सुकता देखकर राजपुरोहित ने राजा को पूरी बात विस्तार से बताई तथा प्रसन्नता प्रकट करते हुए राजा से कहा - 'राजन् केवल इस बात की परीक्षा लेने हेतु कि ज्ञान और चरित्र में कौन बड़ा है, मैंने आपके खजाने से मोती उठाए थे अब मैं निर्विकल्प हो गया हूँ। यही नहीं आज चरित्र के प्रति मेरी आस्था पहले की अपेक्षा और अधिक बढ़ गई है।

आपसे और आपकी प्रजा से अभी तक मुझे जो प्यार और सम्मान मिला है। वह सब ज्ञान के कारण नहीं अपितु चरित्र के ही कारण था। आपके खजाने में सबसे अधिक बहुमूल्य वस्तु सोना-चाँदी या हीरा-मोती नहीं बल्कि चरित्र है।

अत: मैं चाहता हूँ कि आप अपने राज्य में चरित्र संपन्न लोगों को अधिकाधिक प्रोत्साहन दें ताकि चरित्र का मूल्य उत्तरोत्तर बढ़ता रहे। "

प्रश्न **1**- राजपुरोहित राज्य में प्रतिष्ठित थे क्योंकि.. **[1]**

A - वे राजा के प्रिय थे।
B- वे चरित्रवान और ज्ञानी थे।
C- वे विद्वान और ज्ञानी थे।
D- वे त्रिकालदर्शी थे।

उत्तर_____

प्रश्न **2**- राजपुरोहित के अनुसार.... **[1]**

A- ज्ञान और चरित्र का योग ही लौकिक एवं परमार्थिक उन्नति का सच्चा पथ है।
B- ज्ञान और विज्ञान का योग ही लौकिक एवं परमार्थिक उन्नति का सच्चा पथ है।
C- ज्ञान और साधना का योग ही लौकिक एवं परमार्थिक उन्नति का सच्चा पथ है।
D- ज्ञान और धन का योग ही लौकिक एवं परमार्थिक उन्नति का सच्चा पथ है।

उत्तर_____

प्रश्न **3**-राजपुरोहित ने राजकोष से मोती चुराए क्योंकि.. **[1]**

A- खजांची की परीक्षा लेना चाहते थे।
B- राजा की परीक्षा लेना चाहते थे।
C- परखना चाहते थे कि चरित्र और ज्ञान में से कौन श्रेष्ठ है?
D- परखना चाहते थे कि राजा के कर्मचारी ईमानदार हैं या नहीं?

उत्तर_____

प्रश्न **4**-राजपुरोहित ने राजकोष से कुल **____** मोती चुराए। **[1]**

A- 15
B- 05
C-25
D- 10

उत्तर_____

प्रश्न **5**- राजपुरोहित ने राजकोष में कुल **_____**बार चोरी की। **[1]**

A- दो
B-एक
C-तीन
D - चार

उत्तर_____

प्रश्न **6**- इस घटना के बाद राजपुरोहित **….[1]**

A- की प्रतिष्ठा और बढ़ गई होगी।
B-उन्हें पद से हटा दिया गया होगा।
C- राजा ने उन्हें दंड दिया होगा।
D- मोतियों से पुरस्कृत किया गया होगा।

उत्तर_____

प्रश्न **7**- इस गद्यांश के लिए उचित शीर्षक है। **[1]**

A- ज्ञान की महिमा।
B- चरित्र की प्रतिष्ठा।
C- राजा का न्याय।
D- मोतियों की चोरी।

उत्तर_____

प्रश्न **8**- इस गद्यांश से हमें सीख मिलती है कि**…[1]**

A- प्रतिष्ठा पाने के लिए हमेशा चरित्रवान बनने का प्रयास करना चाहिए।
B- हमें हमेशा चरित्रवान व्यक्ति को मोतियों से सम्मानित करना चाहिए।
C - हमें केवल ज्ञानार्जन पर बल देना चाहिए।
D- हमें राजकोष से मोती नहीं चुराना चाहिए।

उत्तर_____

प्रश्न **9-** राजपुरोहित की सबसे बड़ी विशेषता है कि**…[1]**

A- वे चरित्र निर्माण पर बल देना चाहते थे।
B- ज्ञान को प्रतिष्ठित करना चाहते थे।
C- खजांची को ईमानदार बनाना चाहते थे।
D- राजा को हमेशा प्रसन्न करना चाहते थे।

उत्तर_____

प्रश्न **10**- राजपुरोहित जैसे व्यक्तियों को**… [1]**

A- ऊंचे पद देने चाहिए।
B- वेतन बढ़ाना चाहिए।
C- पद से हटा दिया जाना चाहिए।
D- खजांची बनाना चाहिए।

उत्तर_____

प्रश्न **11**-" गगन " शब्द का पर्यायवाची शब्द है **.. [1]**
A- आकाश
B- बादल
C- जलद
D- जलज

उत्तर_____

प्रश्न **12**- **"** विष**"** का विलोम शब्द है **…..[1]**

A- अमृत
B- हलाहल
C- ज़हर
D- सुधा

उत्तर_____

प्रश्न **13**- **"**निज**"** का भाववाचक रूप है **...[1]**

A- निजता
B- नीजी
C- निजी
D- निजत

उत्तर_____

प्रश्न **14**- **"**राष्ट्र **"** का विशेषण रूप है,**... [1]**

A- राष्ट्रीय
B- राष्ट्रीयता
C- राष्ट्रवाद
D- राष्ट्रपति

उत्तर_____

प्रश्न **15**- राम और श्याम सगे भाई हैं ,उनकी लम्बाई में_____है।(उचित मुहावरे को चुनकर लिखिए) **[1]**

A- चार-पॉच का अंतर
B - दो और दो चार का अंतर
C - उन्नीस-बीस का अंतर
D- नौ दो ग्यारह का अंतर

उत्तर_____

प्रश्न **16**- **"**अक्षि**"** का तद्भव रूप है**... [1]**

A - चक्षु
B- ऑंख
C - अक्षय
D - नमन

उत्तर_____

प्रश्न **17** - **"** शिक्षिका ने अपनी शिष्याओं की सराहना की।**"** **(** लिंग परिवर्तन के बाद उचित विकल्प चुनिए**) [1]**

A- शिक्षक ने अपनी शिष्याओं की सराहना की।
B - शिक्षक ने अपने शिष्य की सराहना की।

C - शिक्षक ने अपने शिष्यों की सराहना की।
D - अध्यापक ने अपने छात्रों की सराहना की।

उत्तर_____

प्रश्न **18**- राजा जनक की ईश्वरीय सत्ता में आस्था थी , वे _____ थे। **[1]**

A - आस्तिक
B-आस्तीक
C- अस्तित्व
D- अगस्त

उत्तर_____

प्रश्न **19**- **"** शीला ने अपना काम शुरू किया और बारिश शुरू हो गई।**"** वाक्य है**....[1]**

A - सरल
B- संयुक्त
C- मिश्र
D- प्रश्न वाचक

उत्तर_____

प्रश्न **20**-**"** चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य ने राज्य का कार्यभार संभाल लिया।**" (** भविष्य काल में होगा**) [1]**

A- चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य राज्य का कार्यभार संभालने वाले हैं।
B - चंद्रगुप्त विक्रमादित्य राज्य का कार्यभार संभालेंगे।
C- चंद्रगुप्त विक्रमादित्य राज्य का कार्यभार संभालते हैं।
D- चंद्रगुप्त विक्रमादित्य राज्य में काम करेंगे।

उत्तर_____

Section B

हिंदी साहित्य **:-** भाग **-** ब **(20** अंक**)**

साहित्य सागर

प्रश्न **1-** लेखक स्वयं प्रकाश जी का जन्म कहाँ पर हुआ था**? [1]**

A- ग्वालियर
B- इंदौर
C- भोपाल
D- सिवनी

उत्तर_____

प्रश्न **2-** नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा किसने लगवाई थी **? [1]**

A- हालदार साहब ने।
B- उत्साही बोर्ड ने।
C- उत्साही प्रशासनिक अधिकारी ने।
D- उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने।

उत्तर_____

प्रश्न **3-** सेठानी की वेदना विलीन होने व हृदय उल्लसित होने का क्या कारण था **? [1]**

A- सेठ ने मरणासन्न कुत्ते को रोटियाँ खिलाईं।
B- सेठ में विपत्ति में भीं धर्म नहीं छोड़ा।
C- सेठ ने विपत्ति में भी यज्ञ नहीं बेचा।
D- सेठ ने केवल एक लोटा जल पीया।

उत्तर_____

प्रश्न **4-** सेठ और सेठानी इस दिव्य वाणी को सुनकर**…….. [1]**

A- धरती पर माथा टेकने लगे।
B- कृतकृत्य हुए।
C- प्रणाम करने लगे।
D- प्रसन्न चित्त हुए।

उत्तर_____

प्रश्न **5-** रमजान ने गुस्से से दासी से क्या कहा **?[1]**

A- यह दुनिया न्याय नगरी नहीं अंधेर नगरी है
B- यह इंसाफ नहीं अंधेर है
C- चोरी पकड़ी गई तो अपराध हो गया
D- असली अपराधी दोनों हाथों से धन बटोर रहे हैं

उत्तर_____

प्रश्न **6-** **"**भैया गुनाह का फल मिलेगा या नहीं यह तो भगवान जाने।**"** पंक्ति का वक्ता कौन है **?[1]**

A- रसीला
B- रमजान
C- दासी
D- सिपाही

उत्तर_____

प्रश्न **7-** श्यामू को किसने विश्वास दिलाया कि उसकी मां उसके मामा के यहाँ गई है **?[1]**

A- अबोध बालकों ने
B- गुरुजनों ने
C- बुद्धिमानों ने
D - बुद्धिमान गुरुजनों ने

उत्तर_____

प्रश्न **8-** कौन ,किस से अधिक समझदार था **?[1]**

A- भोला- श्यामू से
B- श्यामू- भोला से
C- जवाहर- श्यामू से
D- जवाहर- भोला से

उत्तर_____

प्रश्न **9-** पहले दिन की तरकीब से दूसरे दिन उसने विश्वेश्वर के कोट से**…….. |[1]**

A- दो रुपए निकाले
B- एक रुपया निकाला
C- पचास पैसे निकाले
D- एक रुपया और पचास पैसा निकाले

उत्तर_____

प्रश्न **10-** हालदार साहब की क्या आदत थी**?[1]**

A- चौराहे पर रुकना पान खाना और मूर्ति को ध्यान से देखना
B- कस्बे से गुजरना पान खाना और मूर्ति को ध्यान से देखना
C- कस्बे से गुजरना चौराहे पर रुकना और मूर्ति को ध्यान से देखना
D- मूर्ति को ध्यान से देखना और पान खाना

उत्तर________________

<u>एकांकी संचय</u>

प्रश्न **11-** **"**मुख पर गंभीरता और समृद्धि के चिन्ह हैं**"** यह पंक्ति पाठ में किसके लिए प्रयोग की गई है**?[1]**

A- प्रमोद के लिए
B- जीवन लाल के लिए
C- रमेश के लिए
D- राजेश्वरी के लिए

उत्तर________________

प्रश्न **12-** रमेश के पास जाकर कौन खड़ा हो जाता है **?[1]**

A- जीवनलाल
B- प्रमोद
C- कमला
D- गौरी

उत्तर________________

प्रश्न **13-** **"**मातृभूमि का मान" एकांकी के लेखक कौन हैं **?[1]**

A- सियारामशरण गुप्त
B- विष्णु प्रभाकर
C- हरि कृष्ण प्रेमी
D- जैनेंद्र कुमार जैन

उत्तर________________

प्रश्न **14-** **"** हम सब राजपूत अग्नि के पुत्र हैं हम सबके हृदय में एक ज्वाला जल रही है**|**" पंक्ति के वक्ता और श्रोता कौन हैं **?[1]**

A- महाराणा लाखा और राव हेमू
B- राव हेमू और महाराणा लाखा
C- अभय सिंह और महाराणा लाखा
D- राव हेमू और अभय सिंह

उत्तर________________

प्रश्न **15-** "मेवाड़ की सेना में विजय दुंदुभी बज रही है|"इस वाक्य में ' दुंदुभी' शब्द का अर्थ है...**[1]**

A- नगाड़ा
B- ढोल
C- शहनाई
D- शंख

उत्तर_____

प्रश्न **16-** "व्यर्थ के दंभ में आज कितने ही निर्दोष प्राणों की बलि ले ली|" इस पंक्ति के वक्ता कौन है**?[1]**

A- महाराणा लाखा
B- चारणी
C- राव हेमू
D- एक सैनिक

उत्तर_____

प्रश्न **17-** " प्राण जाए पर वचन न जाए|" यह पंक्ति किस वंश के लिए कही गई है**?[1]**

A- सूर्यवंश के लिए
B- रघुवंश के लिए
C- चंद्र वंश के लिए
D- हाड़ा वंश के लिए

उत्तर_____

प्रश्न **18-** "संस्कार और भावना" पाठ में कौन संस्कारों की दासता से मुक्त होने में सफल रहा**?[1]**

A- अतुल
B- अविनाश
C- माँ
D- उमा

उत्तर_____

प्रश्न **19-** "अपराध और किसका है सब मुझी को दोष देते हैं|" पंक्तियों का वक्ता और श्रोता कौन है**?[1]**

A- माँ और उमा
B- माँ और अतुल
C- माँ और मिसरानी

D- माँ और अविनाश

उत्तर_____

प्रश्न **20-** “कपोल” शब्द का शाब्दिक अर्थ क्या है**? [1]**

A- माथा
B- गाल
C- कान
D- ओठ

उत्तर_____

“समाप्त”